



बंद पड़े उर्वरक संयंत्रों को फिर से चालू करने के लिए संयुक्त समीक्षा बैठक आयोजित

चालू होने वाले संयंत्रों द्वारा 75 एलएमटी की अतिरिक्त क्षमता जोड़ी जाएगी, भारत यूरिया क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनेगा : श्री अनंत कुमार

बंद पड़े उर्वरक संयंत्रों को फिर से चालू करने और पूर्वी भारत को राष्ट्रीय गैस ग्रिड से जोड़ने हेतु गैस पाइपलाइन नेटवर्क स्थापित करने के लिए 50,000 करोड़ रुपये निवेश किये जाएंगे : श्री धर्मेन्द्र प्रधान

Posted On: 27 APR 2017 7:05PM by PIB Delhi

केन्द्रीय रसायन एवं उर्वरक और संसदीय कार्य मंत्री श्री अनंत कुमार ने आज यहां रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय के अधीनस्थ बंद पड़े उर्वरक संयंत्रों को फिर से चालू करने की योजनाओं पर आयोजित की गई एक संयुक्त समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। विद्युत, कोयला, नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा और खान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री पीयूष गोयल, पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री धर्मेन्द्र प्रधान और सड़क परिवहन एवं राजमार्ग, शिपिंग, रसायन एवं उर्वरक राज्य मंत्री श्री मनसुख लाल मंडाविया द्वारा यह समीक्षा बैठक संयुक्त रूप से आयोजित की गई। तीनों मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारीगण भी बैठक के दौरान उपस्थित थे।

बैठक के बाद पत्रकारों को संबोधित करते हुए श्री अनंत कुमार ने यह जानकारी दी कि गोरखपुर, बरौनी, सिंदरी एवं तलछर स्थित उर्वरक परियोजनाओं के फिर से चालू हो जाने पर 75 एलएमटी की अतिरिक्त वार्षिक उत्पादन क्षमता सृजित होगी, जिससे भारत लगभग 320 एलएमटी की वार्षिक घरेलू मांग की पूर्ति करने के मामले में आत्मनिर्भर बन जाएगा, जबकि वर्तमान में भारत इसका एक शुद्ध आयातक है। उन्होंने कहा कि वित्तीय आवंटन के साथ-साथ बुनियादी निर्माण कार्य वर्ष 2017 में शुरू हो जाएगा और पांच संयंत्र वर्ष 2020-21 तक पूरी तरह से कार्यरत हो जाएंगे।

श्री कुमार ने कहा कि 'खाद्य सुरक्षा के लिए उर्वरक सुरक्षा' से संबंधित प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के सपने को साकार करने के लिए रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय एक द्विआयामी रणनीति को पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस और विद्युत एवं कोयला मंत्रालयों के साथ मिलकर अपना रहा है। संयंत्रों की क्षमता बढ़ाकर और बंद पड़ी उर्वरक परियोजनाओं को फिर से चालू करके मौजूदा उर्वरक क्षमता में वृद्धि करना इस रणनीति में शामिल है। श्री कुमार ने यह भी कहा कि अतिरिक्त लागत को वहन किये बगैर मौजूदा क्षमता का उपयोग करके ही पिछले वर्ष देश में 245 एलएमटी यूरिया का सर्वाधिक उत्पादन किया गया।

उर्वरक संयंत्रों की पुनरुद्धार योजना में पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय की भूमिका के बारे में मीडिया को बताते हुए श्री धर्मेन्द्र प्रधान ने कहा कि बंद पड़े उर्वरक संयंत्रों को फिर से चालू करने और पूर्वी भारत को राष्ट्रीय गैस ग्रिड से जोड़ने हेतु गैस पाइपलाइन नेटवर्क स्थापित करने के लिए 50,000 करोड़ रुपये का व्यापक निवेश किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इन चारों प्रमुख उर्वरक संयंत्रों में उत्पादन होने पर उर्वरक के घरेलू उत्पादन के साथ-साथ इसकी उपलब्धता भी बढ़ जाएगी, जिससे अत्यंत महत्वपूर्ण कृषि क्षेत्र को काफी बढ़ावा मिलेगा और इससे द्वितीय हरित क्रांति में मदद मिलेगी।

ओडिशा स्थित तलछर उर्वरक संयंत्र का पुनरुद्धार 8000 करोड़ रुपये के निवेश से किया जा रहा है। यह निवेश सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (पीएसयू) जैसे कि एफसीआईएल, गेल, राष्ट्रीय केमिकल्स एंड फर्टिलाइजर्स (आरसीएफ) और कोल इंडिया लिमिटेड के एक कंसोर्टियम द्वारा किया जा रहा है।

वीके/आरआरएस/वाईबी- 1182

(Release ID: 1488800) Visitor Counter : 13

